

# आग से सुरक्षा के करें उपाय, जनजीवन को सुरक्षित बनायें

## आग

"आग तो आग है.....  
दोस्त या दुश्मन,  
फैसला हमें करना है।"



आग से सुरक्षा  
जान माल की पूरी रक्षा

आग लगने पर  
या  
आपात स्थिति में  
डायल करें 101

### आग से सुरक्षा एवं बचाव की आम जानकारी

- सुनिश्चित करें कि आपके परिवार के सदस्यों को पता हो कि आग लगने की स्थिति में उन्हें क्या करना चाहिए। आग लगने पर बाहर निकलने के रास्तों सहित बिल्डिंग का फ्लोर प्लान बनाएं। फ्लोर प्लान में सीढ़ियों, हॉल वे तथा खिड़कियों आदि जैसा महत्वपूर्ण ब्यौरा शामिल किया जाना चाहिए, जिसे आग लगने पर बचाव के रास्तों के रूप में इस्तेमाल किया जा सके।
- खिड़कियों तथा दरवाजों की जांच कर लें ताकि आग लगने पर इन्हें आसानी से खोला जा सके। आग लगने पर हर स्थिति में बच निकलने का उपाय सुनिश्चित करें।
- घर के बाहर मिलने का सुरक्षित स्थान चुनें जहां आपातस्थिति में घर के सभी सदस्य एकत्र हो सकें।
- अपने परिवार के अन्य सदस्यों को चौकस रहने का अभ्यास कराएं। प्रत्येक बेडरूम में एक घंटी तथा फ्लैशलाइट लगाएं। बेडरूम में सोते समय हमेशा दरवाजा बन्द रखें। इससे आपका बेडरूम आग की तपिश तथा धुंए से बचा रहेगा तथा आपको बच निकलने के लिए पर्याप्त समय भी मिल जायेगा।
- आग लगने पर चिल्लाकर दीवारों को थपथपाकर, सीटी आदि बजाकर परिवार के सदस्यों को चौकस करें। "आग, आग, आग" बोलकर चिल्लाने का अभ्यास करें।
- तैयार रहें और बचाव की योजना बनाएं।
- अपने घर स्कूल, संस्थान अथवा कार्यालय के लिए बचाव/सुरक्षा योजना बनाएं।
- बिल्डिंग को नियमित रूप से खाली करने का अभ्यास करें। वास्तव में आग लगने पर अधिक मात्रा में धुंआं पैदा हो जाता है जिससे बिल्डिंग के अन्दर देख पाना मुश्किल हो जाता है।
- आग से बचने के लिए हमेशा जमीन पर नीचे की ओर रहने का अभ्यास करें क्योंकि इस स्थिति में साँस में गया थोड़ा सा धुंआ अथवा गैस जानलेवा हो सकती है।
- सभी दरवाजों को खोलने से पहले उन पर आग की गर्माहट को महसूस करें। यदि दरवाजे गर्म हों तो दूसरे रास्ते से निकल जाएं।
- कपड़ों पर लगी आग को बुझाने के लिए जमीन पर लेटकर रोल होने का अभ्यास करें।
- सुनिश्चित करें की सभी अग्निशमन उपकरण उचित स्थान पर लगे हों और चालू हालत में हों।

### आग से बचाव की अतिरिक्त जानकारी

- धुंआ निकलने एवं आग जलने का पता लगाने के लिए धुंए का पता लगाने वाले उपकरण (स्मोक डिटेक्टर) लगाएं। इन उपकरणों की महीने में एक बार जांच करें और साल में एक बार बैटरी बदल दें। ये उपकरण सामान्य से अधिक मात्रा में धुंआं उठने अथवा हवा में अदृश्य प्रज्वलनशील गैसों का पता लगाने में सक्षम होते हैं।
- आग लगने की आपातकालीन स्थिति के बाद यदि जरूरत हो तो प्राथमिक चिकित्सा देने का प्रयास करें। गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को तुरन्त डॉक्टरों की सहायता देने का प्रयास करें। क्षतिग्रस्त बिल्डिंग से हमेशा दूर रहें। अधिकारियों द्वारा इसे सुरक्षित घोषित कर देने के बाद ही इसमें प्रवेश करें। पोर्टेबल तथा स्पेस हीटर्स को ज्वलनशील वस्तुओं से कम से कम तीन फुट की दूरी पर रखें। घर से बाहर जाते समय अथवा सोते समय हीटर/सीगडी/अंगीठी कभी भी जला कर न रखें। बच्चों तथा पालतु जानवरों को हमेशा इससे दूर रखें।
- बिस्तर पर लेटे अथवा सोते समय सिगरेट न पियें। लापरवाही से जलती हुई सिगरेट फेंकने के कारण आग लगने से होने वाली मृत्यु एक बहुत बड़ा कारण है।
- खाना पकाने के स्थान से ज्वलनशील वस्तुएं दूर रखें और खाना पकाते समय छोटे अथवा टाइट फिटिंग वाले कपड़े पहनें। बर्तनों का हैंडिल अंदर की ओर रखें ताकि वे स्टोव पर बाहर की तरफ न लटकें। यदि बर्तन में तेल अथवा चिकनाई अंदर से आग पकड़ ले तो बर्तन को धीरे से ढक दें और स्टोव का बर्नर बंद कर दें।
- बच्चों के हाथ में माचिस तथा लाइटर आना जानलेवा हो सकता है। इन्हें बच्चों की पहुँच से दूर रखें और कोशिश करें कि ये ताले में बंद हों। बच्चों को सिखाएं कि माचिस और लाइटर जैसी चीजें खतरनाक हैं और इन्हें केवल वयस्कों द्वारा इस्तेमाल किया जाना चाहिए।
- यदि किसी भी उपकरण से धुंआ निकल रहा हो अथवा जलने की बदबू आ रही हो तो फौरन प्लग निकाल दें और इसकी मरम्मत करा दें। बिजली की कटी छिली तारों को बदल दें और एक्सटेंशन कॉर्ड पर अधिक लोड न डालें। फ्यूज़ बॉक्स से अनावश्यक छेड़छाड़ न करें और न ही गलत साइज का फ्यूज़ इस्तेमाल करें। यदि कोई जल गया हो तो तुरन्त घाव पर 10-15 मिनट तक ठंडा पानी डालें। यदि कोई गंभीर रूप से जल अथवा झुलस गया हो तो तुरन्त डॉक्टरों की सलाह लें।
- यदि आपके पास हैलोजन लाइट हो तो सुनिश्चित करें की वे जलने वाली चीजों से दूर रहें और छत के निचले स्थानों पर न हों। घर से बाहर अथवा कार्यालय जाते समय इन्हें ऑन न रखें।
- अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: महानिदेशालय नागरिक सुरक्षा (अग्नि सैल), भारत सरकार, गृह मंत्रालय, ईमेल : mhafire@googlegroups.com

**nidm**  
Towards disaster free India

### राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान

(गृह मंत्रालय, भारत सरकार)  
आई.आई. पी. कैम्पस, 5वी आई. पी. स्टेट, महात्मा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली-110002  
फोन: 011-23702432, 23705583, फैक्स: 011-23702446  
बैबसाइट: [www.nidm.gov.in](http://www.nidm.gov.in)

आपदाओं तथा उनके प्रबंधन के विषय में अधिक जानकारी हेतु कृपया संस्थान द्वारा मुफ्त उपलब्ध 'स्वयं अध्ययन कोर्स' करें, जो [www.nidmssp.in](http://www.nidmssp.in) पर उपलब्ध है।